

आजीविका

कक्षा 6 सामाजिक विज्ञान

Complete Study Notes

सीखने के उद्देश्य

इस अध्याय में विद्यार्थी आजीविका के अर्थ को समझेंगे तथा जानेंगे कि गाँवों और शहरों में लोग विभिन्न व्यवसायों के माध्यम से अपनी जीविका कैसे कमाते हैं। वे कृषि, गैर-कृषि व्यवसाय, स्वरोजगार, नियमित रोजगार तथा समाज और अर्थव्यवस्था में विभिन्न व्यवसायों के महत्व का अध्ययन करेंगे।

परिचय

आजीविका वह साधन है जिसके माध्यम से लोग अपनी दैनिक आवश्यकताओं जैसे भोजन, वस्त्र, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की पूर्ति के लिए आय अर्जित करते हैं। प्रत्येक व्यक्ति अपनी योग्यता, शिक्षा, संसाधनों और उपलब्ध अवसरों के अनुसार अलग-अलग व्यवसाय अपनाता है।

भारत में गाँवों और शहरों की आजीविका के साधन अलग-अलग हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में मुख्य रूप से कृषि पर निर्भरता होती है, जबकि शहरों में उद्योग, व्यापार, सेवाएँ और कार्यालयों में अनेक प्रकार के रोजगार उपलब्ध होते हैं।

ग्रामीण आजीविका

ग्रामीण भारत में अधिकांश लोग कृषि से अपनी आजीविका कमाते हैं। किसान फसलें उगाते हैं, पशुपालन करते हैं तथा देश के लिए खाद्यान्न का उत्पादन करते हैं। ग्रामीण समाज में छोटे किसान, बड़े भू-स्वामी तथा कृषि मजदूर सभी कृषि व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

खेती के अतिरिक्त अनेक लोग कुम्हारी, बढ़ईगिरी, लुहारी, बुनाई, टोकरी बनाना, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन, पशुपालन तथा अन्य ग्रामीण उद्योगों से भी आय अर्जित करते हैं। ये व्यवसाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाते हैं।

शहरी आजीविका

शहरों में व्यापार, उद्योग, परिवहन, निर्माण कार्य तथा सेवा क्षेत्र में अनेक रोजगार उपलब्ध होते हैं। लोग दुकानदार, फैक्टरी श्रमिक, रेहड़ी-पटरी विक्रेता, चालक, मैकेनिक, घरेलू कर्मचारी तथा दिहाड़ी मजदूर के रूप में कार्य करते हैं।

शहरी क्षेत्रों में कुछ लोग स्वयं का व्यवसाय चलाते हैं, जबकि अनेक लोग विद्यालयों, अस्पतालों, बैंकों, सरकारी कार्यालयों तथा निजी कंपनियों में कार्य करते हैं।

नियमित और अनियमित रोजगार

रोजगार को मुख्य रूप से नियमित (औपचारिक) तथा अनियमित (अनौपचारिक) रोजगार में विभाजित किया जाता है।

- नियमित रोजगार:** इसमें कर्मचारियों को निश्चित वेतन, अवकाश, चिकित्सा सुविधाएँ, भविष्य निधि (PF) तथा नौकरी की सुरक्षा प्राप्त होती है (जैसे सरकारी विभाग, बैंक, विद्यालय)।
- अनियमित रोजगार:** इसमें दिहाड़ी मजदूर, रेहड़ी-पटरी विक्रेता तथा अस्थायी श्रमिक शामिल होते हैं, जिनकी आय नियमित नहीं होती और उन्हें सीमित सुविधाएँ मिलती हैं।

आजीविका का महत्व

प्रत्येक कार्य का सम्मान: समाज के विकास में प्रत्येक व्यवसाय का महत्वपूर्ण योगदान होता है। किसान भोजन उपलब्ध कराते हैं, शिक्षक शिक्षा प्रदान करते हैं, चिकित्सक स्वास्थ्य सेवाएँ देते हैं, इंजीनियर आधारभूत संरचना का निर्माण करते हैं तथा श्रमिक उद्योगों और व्यापार को आगे बढ़ाते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यवसाय का सम्मान करना चाहिए क्योंकि सभी समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

श्रमिकों के सामने आने वाली चुनौतियाँ

अनेक श्रमिकों को मौसमी बेरोज़गारी, कम आय, आर्थिक असुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा की कमी तथा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की सीमित उपलब्धता जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सरकार विभिन्न रोजगार योजनाओं और कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास करती है। इन चुनौतियों को समझने से विद्यार्थियों में श्रमिकों के प्रति सम्मान तथा समान अवसरों के महत्व की भावना विकसित होती है।

अभ्यास प्रश्न

1. आजीविका से क्या अभिप्राय है?
2. ग्रामीण क्षेत्रों के तीन प्रमुख व्यवसाय लिखिए।
3. शहरी क्षेत्रों के तीन प्रमुख व्यवसाय लिखिए।
4. नियमित और अनियमित रोजगार में क्या अंतर है?
5. प्रत्येक व्यवसाय का महत्व क्यों है?

उत्तर

- **उत्तर 1:** आजीविका वह साधन है जिसके माध्यम से व्यक्ति अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आय अर्जित करता है।
- **उत्तर 2:** ग्रामीण क्षेत्रों के प्रमुख व्यवसाय हैं—कृषि, पशुपालन तथा कुम्हारी।
- **उत्तर 3:** शहरी क्षेत्रों के प्रमुख व्यवसाय हैं—दुकानदार, फैक्टरी श्रमिक तथा रेहड़ी-पटरी विक्रेता।
- **उत्तर 4:** नियमित रोजगार में निश्चित वेतन, नौकरी की सुरक्षा तथा विभिन्न कर्मचारी सुविधाएँ मिलती हैं, जबकि अनियमित रोजगार में आय नियमित नहीं होती और सुविधाएँ भी सीमित होती हैं।
- **उत्तर 5:** प्रत्येक व्यवसाय समाज को आवश्यक वस्तुएँ और सेवाएँ प्रदान करता है तथा देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है।